Paper - IV

MT

2018 1100

MT - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - IV

Time : 2 Hours | **Preliminary Model Answer Paper** | **Max. Marks : 40**

विभाग 1 - गद्य

उ.1. **क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-**

1) i) **उत्तर लिखिए।** — **1**

(1) उसे गाँव के अस्पताल का इंचार्ज बनाया गया है।

(2) वह गाँव में जनता जनार्दन की सच्ची सेवा कर सकेगा।

ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** — **1**

मोहन
- **बहुत आगे नहीं रहा** → पढ़ाई-लिखाई में
- **सबसे आगे था -** → खेल-कूद में

2) i) **सही शब्द तैयार कीजिए।** — **1**

(1) | म | ण | आ | क्र | = आक्रमण

(2) | स्‍ | का | र | वी | = स्वीकार

ii) **परिच्छेद से पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए।** — **1**

(1) खुशी → प्रसन्नता

(2) हमला → आक्रमण

3) — **2**

''मातृभूमि का मान बढ़ाए जो, होता सैनिक वह सच्चा है,
जिसको स्वदेश से प्यार नहीं, उस नर से पशु ही अच्छा है।''

सैनिक एक सच्चा देशभक्त होता है। वह पूरे तन-मन से देश के प्रति समर्पित रहता है। हमें भारतीय सैनिकों का सम्मान करना चाहिए। उनकी भावनाओं का आदर करना चाहिए। सैनिक ही वह शक्ति है, जिसके बल पर हम चैन की नींद सोते हैं। देश की सुरक्षा के लिए हमारे भारतीय सैनिक अपनी जान की बाजी लगा देते हैं और हम उनका सम्मान करना ही भूल जाते हैं। आजकल तो भारतीय सैनिक पर भी राजनेता राजनीति करते हैं, यह शर्म का विषय है। हमें अपने सैनिकों का आदर हृदय से करना चाहिए।

उ.1.	**ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**	
1)	i) **परिच्छेद पढ़कर उत्तर लिखिए।** (1) घास - दाने की । (2) पाँच सौ घसियारे ।	1
	ii) **उत्तर लिखिए।** (1) स्थल और जलमार्ग के कर्मचारियों से। (2) एक सहस्त्र मुद्राएँ।	1
2)	i) **विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।** (1) बेचना × खरीदना (2) बहुत × थोड़ा	1
	ii) **अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए।** (1) प्याऊ (2) घसियारा	1
3)	जीवन में विकास करने के लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है। जितना ही परिश्रम किया जाए, उतनी ही सफलता हमारे कदम चूमती है। अगर इतिहास के पन्ने पलटकर देखा जाए तो अनेक ऐसे उदाहरण मिलेंगे; जो इस बात के प्रमाण हैं कि परिश्रम के बलपर व्यक्ति असंभव को भी संभव कर सकता है। जो व्यक्ति परिश्रम नहीं करता वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ सकता।	2
	विभाग 2 - पद्य	
उ.2.	**(च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**	
1)	**उत्तर लिखिए।** i) जो सुख, स्नेह और भय में संतुलित रहता है तथा सोने को भी मिट्टी समझता है। ii) जो निंदा, प्रशंसा, लोभ, मोह और अहंकार से दूर हो। iii) जो हर्ष, शोक, मान, अपमान से दूर रहता हो। iv) जो इच्छारहित और काम-क्रोध से दूर हो	2
2)	**विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।** i) हर्ष × शोक ii) भय × निर्भय	1

3)	साधु का सबसे बड़ा गुण होता है कि वह मोह-माया से दूर रहता है। वह सुख-दुख, मान-अपमान में सदा समान रहता है। वह धैर्य की प्रतिमूर्ति होता है। उसके अंदर परमार्थ की भावना कूट-कूट कर भरी होती है। वह क्रोध से मुक्त व सहनशीलता के गुणों से भरा होता है। साधु पुरुष हिंसा मुक्त होता है। वह हर वक्त ईश्वर भक्ति में लीन रहता है। वह संसार में भले ही हो लेकिन वाणी से ईश्वर का नाम जपता रहता है।	2
उ.2.	**(छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**	
1)	i) **उत्तर लिखिए।** (1) उबलती - उछलती (2) बलखाती - लहराती	1
	ii) **समझकर लिखिए।** (1) बालू में छिपकर। (2) अपने सीमा बंधन को।	1
2)	**विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।** i) उर्वर × बंजर ii) धरती × आकाश	1
3)	अत्यधिक वर्षा होने के कारण नदियों में बहुत पानी भर जाता है। वह अपने कगारों को तोड़कर बहने लगती हैं। इससे भारी विनाश होता है। लोगों की बनी - बनाई गृहस्थी बर्बाद हो जाती है। गाँव के गाँव जल में समा जाते हैं। अनेक जानवर पानी में बह जाते हैं। खेतों में खड़ी फसलें चौपट हो जाती हैं। मकानों के पानी में डूबने और उनके गिरने से लोग बेघर हो जाते हैं। नदी के किनारे बसे शहरों में भी पानी भर जाता है, जिससे चारों तरफ त्राहि-त्राहि मच जाती है।	2
	विभाग 3 - व्याकरण	
उ.3.	**पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**	
1)	**मानकवर्तनी के अनुसार शब्द चुनिए ।** i) विदेशियों ii) जन्मभूमि	1
2)	**निम्नलिखित वाक्यों में से अव्ययों को चुनकर उनके भेद लिखिए ।** **पश्चात्** - संबंधसूचक अव्यय।	1
3)	i) **काल पहचानिए ।** सामान्य वर्तमानकाल ।	1

	ii) **काल परिवर्तन कीजिए ।** 1) कुष्ठरोगियों ने स्वास्थ्य लाभ किया है ।	1
4)	i) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए ।** रतनलाल सेठ अपनी अपार संपत्ति से **अंधा बन गया था।**	1
	ii) **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **गुम-सुम बैठना** – चुपचाप बैठना। **वाक्य :** क्रांतिकारियों को प्राणदंड की सजा मिलने पर उनके परिवार वाले **गुम-सुम बैठ गए ।**	1
	विभाग 4 - रचना	
उ.4.	**1) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए ।**	4

दिवाकर कदम
सुंदरधाम,
गुड़गाँव।
दिनांक - 5 मार्च, 2017

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाध्यापक जी,
शास्त्री विद्यालय,
शास्त्री नगर,
गुड़गाँव।

विषय :- मासिक शुल्क-माफ करवाने के लिए प्रार्थना पत्र ।

माननीय महोदय,

मैं आपके विद्यालय का दसवीं का छात्र हूँ। मैं इस विद्यालय में पाँचवी कक्षा से पढ़ रहा हूँ और हमेशा कक्षा में प्रथम आता हूँ।

मेरे परिवार में मेरे माता-पिता के अलावा तीन भाई-बहन हैं। परिवार की जीविका चलानेवाले मेरे पिताजी चार महीने पहले एक मोटर दुर्घटना में अपना दहिना हाथ गँवा चुके हैं। नौकरी छूट गई है। परिवार में कोई दूसरा कमानेवाला नहीं है। सभी भाई-बहनों में मैं सबसे बड़ा हूँ। परिवार की आर्थिक दशा दयनीय है। पिछले दो महीने से मैंने मासिक शुल्क नहीं जमा किया है। मुझे नहीं लगता है कि मैं मासिक शुल्क जमा कर पाऊँगा।

अत: आपसे प्रार्थना है कि मेरी दयनीय आर्थिक स्थिति को देखते हुए मासिक शुल्क माफ करने की कृपा करें।

कष्ट के लिए क्षमा प्रार्थी ।

धन्यवाद !

आपका आज्ञाकारी छात्र,
दिवाकर कदम।

टिकट

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाध्यापक जी,
शास्त्री विद्यालय,शास्त्री नगर,
गुड़गाँव ।

प्रेषक,
दिवाकर कदम,
सुंदरधाम,
गुड़गाँव।

2) सरल हिंदी में अनुवाद कीजिए :- 4

(1) हम हिंदू हों या मुसलमान, हम सब भारतीय हैं ।

(2) सुख का साथी हमें संकट में छोड़ देता है ।

(3) मीठी जबान सफलता की कुंजी है ।

(4) अकाल के समय एक टुकड़ा रोटी भी बहुत कीमती होता है ।

3) निम्नलिखित प्रसंग पर लगभग 60 से 80 शब्दों में अपने विचार लिखिए । 4

मै संध्या समय नदी किनारे टहलने के लिए गया था । उस वक्त पास के गाँव के दो बच्चे भी नदी किनारे टहलने आए थे । उनमें से एक बच्चे ने अपने साथ लाई हुई कूड़े - कचरे की बैग पानी में फेंक दी । मैं हैरान हो गया और तपाक से चिल्लाकर बोला, यह तुम क्या कर रहे हो ? इस प्रकार नदी में कूड़ा कचरा फेंकने से जल प्रदूषण बढ़ता है । मेरे इस कथन का उस बच्चे पर किसी भी प्रकार का असर नहीं हुआ । वह सिर्फ हँस रहा था । मुझे उस पर बहुत गुस्सा आया । मैंने कहा, तुमने जो कुछ किया है, वह गलत है और तुम्हें आगे चलकर इस प्रकार का कार्य नहीं करना चाहिए । अपने दोस्तों के साथ मजाक मस्ती करते हुए उसने कहा कि उसके ऐसा करने से कुछ भी फर्क नहीं पड़ने वाला है । यदि वह कचरा नहीं फेंकेगा, फिर भी नदी प्रदूषित होगी । अब मुझसे रहा नहीं गया। मैंने उसे आड़े हाथों लेते हुए डाँटा फटकारा । पश्चात समझाते हुए कहा कि नदी हमारी माता है । हमें उसका ख्याल रखना चाहिए । जल ही जीवन है और हमें उसे भविष्य के लिए सँभालकर रखना चाहिए । मेरे इस कथन का उस बच्चे पर थोड़ा बहुत असर हुआ । उसने भविष्य में जल को प्रदूषित न करने की कसम खा ली और अपने इस करतूत पर मुझसे माफी माँगी । मैंने भी उदार हृदय से उसे माफ कर दिया और हम तीनों नदी में फैले हुए कूड़े-कचरे को एकत्रित करने में व्यस्त हो गए ।

❖❖❖❖